# कलेक्टर मुरैना द्वारा 400 गुग्गुल पौधों का रोपण कार्यक्रम

गुग्गुल के संरक्षण एवं संबर्धन हेतु जो अभियान हमारे द्वारा चलाया जा रहा है उस अभियान को एन.एम.पी.बी. के सहयोग से प्रबल रूप देते हुए एन.एस.एस., एन.वाये.के.एस., एन.सी.सी., वन विभाग, कलामंडल, जैवविविधता प्रंबधन समिति, जे.एफ.एम.सी, ग्रामिण किसान, गुग्गुल के हितग्राही किसानों तथा आम जनता से लेकर कलेक्टर तक सफलतापूर्वक जोड़ा गया है इसके निश्चित रूप से आउटकम बड़ा फलदायी आयेगा। इसी क्रम में यह वृक्षा रोपण कार्यक्रम किये जा रहे हैं।

सुजाग्रति समाज सेवी संस्था मुरैना द्वारा गुग्गुल पौधा रोपण कार्यक्रम दिनांक 23.07.2019 को ग्राम पिपरई के पटवारी प्रशिक्षण केन्द्र ब्लॉक व जिला मुरैना में औषधीय पौधा गुग्गुल व जैवविविधता संरक्षण और आजीविका परियोजना के तहत् 400 पौधों का रोपण किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अथिती के रूप में माननीय कलेक्टर महोदय प्रिंयका दास जी व एस.डी.एम. मुरैना श्री सुरेश जादव साहब व एस.एल.आर. आदरणीय काजल दिक्षित जी व मुरैना तहसीलदार मैडम ने भागीदारी की व गुग्गुल का वृक्षा रोपण भी किया गया तथा संस्था द्वारा एक–एक गुग्गुल पौधा सभी अथितीयों को भेट किया गया। इस अवसर पर पिपरई सरपंच श्रीमती देवकी व श्री द्वारिका नेता जी, जैवविविधता प्रंबधन समिति बाामसौली अध्यक्ष श्री बहादुर सिंह जादौन, जैवविविधता प्रंबधन समिति पिपरई अध्यक्ष श्री रामनारायण पिप्पल, शा0 मा0 विद्यालय पिपरई की प्राधानाध्यपक श्रीमती जीनत कुरैशी, स्कूल स्टाफ व स्कूली बच्चों द्वारा भी गुग्गुल का वृक्षा रोपण किया गया। शासकीय कलापथक दल ने अपनी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां प्रस्तुत की व गुग्गुल पौधों का पौधा रोपण किया। सुजाग्रति समाज सेवी संस्था के  कॉडिनेटर आमिल खॉन व अध्यक्ष श्री जाकिर हुसैन गुग्गुल गोंद की मांग बहुत अधिक है और उत्पादन न के बराबर है पूरे भारत बर्ष में सिर्फ 10 टन गुग्गुल का उत्पादन होता है जबकि आवश्यकता 1600 टन की है। गुग्गुल गोंद का भाव इस समय 1200 प्रति किलो है। इस पौधे से कई गरीबों के घर का चूल्हा जलता है। आज मुरैना जिले की सबसे मंहगी लघुवनोपज का संरक्षण एवं संबर्धन किया जाना अत्यन्त आवश्यक है व यह गरीबों की आजीविका का श्रोत भी है तथा औषधीय पौधा गुग्गुल – जलवायु परिवर्तन के चलते अन्न दाताओं को वदलनी होगी सोच क्योंकि यह पौधा ग्लोबल वार्मिंग में भी आसानी से लगाया जा सकता है इसे पानी की आवश्यकता भी न के बराबर है व पशु भी नही खाते हैं। एवं यह प्राण वायु ऑक्सीजन देता है और पर्यावरण के लिए बड़ा शुभ है।

**कार्यक्रम में कलेक्टर महोदय द्वारा बताया गया कि गुग्गुल एक बहुमूल्य औषधीय पौधा है। इसका औचित्य–**

गुग्गुल प्रजाति चम्बल के बीहड़ों में पाई जाने वाली विशिष्ट प्रजाति है एवं यहॉ उच्च गुणवत्ता के गुग्गुल पौधे पाये जाते हैं। मृदा तथा भू–भौगोलिक कारणों से इस प्रजाति का संरक्षण एवं संबर्धन इस क्षेत्र हेतु सर्वथा उपयुक्त है।

गुग्गुल के बिषय में पर्याप्त एवं व्यापारिक जानकारी, चीरा लगाने का सही ज्ञान का अभाव में इस प्रजाति का ह्रास विगत वर्षों में तेजी से हुआ है। इसलिए यह रैड स्पीसीज में आती है। अतः गुग्गुल केन्द्रित परियोजना का क्रियान्वयन आवश्यक है।

गरीबों की आजिविका एंव इस प्रजाति का अस्तित्व बढ़ाने एवं औषधीय महत्व को देखते हुए इस परियोजना का बहुत ज्यादा औचित्य है। इसलिए हम इस पौधे को मनरेगा के तहत् भी गांव–गांव लगवायेंगे।

इसके उपयोग–

**स्वास्थ्य के लिए बहुत गुणकारी है गुग्गुल–** **1** हार्ट अटैक जैसी समस्याओं से बचाता है **2** हड्डियों से जुड़ि समस्याओं का समाधान करे। **3** गर्भाशय से जुड़ें रोगों में लाभदायक। **4** दर्द और सूजन से राहत दे। **5** त्वाचा की समस्याओं में फायदेमंद। **6** कब्ज की शिकायत दूर करे। **7** मुंह स्वास्थ्य के लिए बेहद

उपयोगी। **8** गंजापन दूर करे। **9** अम्लपित से छुटकारा। **10** हाई ब्लड प्रेशर को कम करे। **11** योग राज में गुग्गुल **12** धूपदीप में गुग्गुल। गुग्गुल का हो संरक्षण, तभी होगा मानव रंक्षण। जिसने हमें दिया ही दिया उन्हे मिटायें क्यों, जंगल में मंगल जो करता उसे मिटायें क्यों।

**कलेक्टर मैंडम को गुग्गुल का पौधा भेट करते हुए संस्था अध्यक्ष जाकिर।**

**माननीय कलेक्टर महोदय द्वारा गुग्गुल पौधे का रोपण।**

**उदवोद्न देते हुयीं माननीय कलेक्टर महोदय प्रियंका दास।**

अध्यक्ष
सुजाग्रति समाज सेवी
संस्था मुरैना म0 प्र0